

21/1/25 पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक सघ ने आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 28/2/25 को पेश हो।

28 ⁰³/₂₀₂₅

वकील प्रार्थीगण उपरोक्त अज्ञातगीतों की तामील सम्मल रूप से होना पार्थी गयी। बावजूद सम्मल तामील उक्त अज्ञातगीतों की ओर से कोई भी हानि उद्भूत नहीं भया है। अतः अज्ञातगीतों के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवही सम्मल में लई जाती है। वास्तव में बहस प्रारंभ प्रिस्स दिनांक 07/04/2025 को पेश हो।

07 ⁰⁴/₂₅

पत्रावली पेश हुई। वकलाप उपस्थित। P.O साहब दीगर का प्रस्थ है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 15/4/25 को पेश हो।

15 ⁰⁴/₂₀₂₅

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थीगण उपस्थित। वकील प्रार्थीगण की एकपक्षीय बहस सुनी गई। दौराने बहस वकील प्रार्थीगण ने निवेदन किया कि प्रार्थी ने अपनी खातेदारी भूमि का तहसीलदार के आदेशानुसार सीमाज्ञान दिनांक 30.05.2024 को करवा लिया है। अब प्रार्थीगण अपनी भूमि की चिन्हित सीमाओं के अनुसार पत्थरगढी कराना चाहते हैं। अतः प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी मुताबिक अनुतोष स्वीकार फरमाने का निवेदन किया।

पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकार्ड एव सीमाज्ञान दिनांकित 30.05.2024 का अवलोकन किया गया एवं वकील प्रार्थीगण की बहस पर सगौर मनन किया गया। चूंकि प्रार्थीगण सीमाज्ञान दिनांकित 30.05.2024 के मुताबिक अपनी खातेदारी भूमि की पत्थरगढी करवाना चाहते हैं। अतः प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी स्वीकार किया जाने योग्य पाया जाने पर न्यायहित में स्वीकार किया जाकर पत्रावली में आदेश इस आशय का जारी किया जाता है कि :-

आदेश

तहसीलदार नीमकाथाना तन ग्राम पीथमपुरी पटवार हल्का पीथमपुरी तहसील नीमकाथाना अवस्थित ख.नं. 2006, 2006/5211, 2008, 2008/5213 कुल किता 04 कुल रकबा 3.84 है० में प्रार्थीगण तथा पड़ौसी खातेदारान को सूचित कर बाद सम्यक संतुष्टि सीमाज्ञान मुताबिक सीमाज्ञान दिनांकित 30.05.2024 पत्थरगढी की जावे तथा कृषि भूमि का एल.आर.एक्ट 1956 की धारा 128, 111 में वर्णित प्रक्रिया का पालन करते हुए पत्थरगढी करवाकर विवाद का निस्तारण करे। दौराने पत्थरगढी किसी प्रकार का कब्जा दिलवाने अथवा बेदखली की कार्यवाही नहीं की जावे। तहसीलदार नीमकाथाना को निर्णय की पालनार्थ तहरीर जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफतर हो। यह निर्णय आज दिनांक 15.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मुद्रा से खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(राजवीर सिंह यादव)
उपखण्ड अधिकारी,
नीमकाथाना